2019

HINDI

(Major)

Paper : 4.2

(Chhayavadottar Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'दुपहरिया' शीर्षक कविता के कवि कौन हैं?

(ख) 'धूमिल' का सम्पूर्ण नाम क्या है?

(ग) नागार्जुन का जन्म कहाँ हुआ था?

(घ) 'प्रगतिशील लेखक संघ' के प्रथम अधिवेशन में अध्यक्षता किसने की थी?

(ङ) 'विजय : एक क्रमिक आत्महत्या' नामक कविता का चरित-नायक कौन है?

(च) लीलाधर जगूड़ी की किसी एक काव्य-कृति का नाम लिखिए।

(छ) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन कब हुआ था?

(ञ) 'समकालीन कविता' नामक काव्य-ग्रंथ की सम्पादना किसने की?

(झ) 'कनुप्रिया' नामक काव्य-ग्रंथ के कवि कौन हैं?

(ञ) 'औद्योगिक बस्ती' शीर्षक कविता किसकी रचना है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2×5=10

(क) 'भूल-गलती' नामक कविता में कौन-सा संदेश है?

(ख) 'टूटा हुआ पहिया' कविता का मूल भाव क्या है?

(ग) प्रगतिवादी कविता की दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'सोन मछली' शीर्षक कविता से कवि कौन-सा संदेश देना चाहते हैं?

(ङ) नई कविता की दो प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'कितनी नावों में कितनी बार' कविता में निहित भावार्थ को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पठित कविता के आधार पर 'रोटी' कविता का एक शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।

(ख) 'कविता की मौत' शीर्षक कविता में व्यंजित भाव को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'अकाल और उसके बाद' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

(ग) शमशेर बहादुर सिंह द्वारा रचित 'एक पीली शाम' कविता में व्यक्त विचारों का परिचय दीजिए।

अथवा

'जनता की जमीन पर' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य पर अपना विचार व्यक्त कीजिए।

(घ) कवि 'अज्ञेय' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

'मोचिराम' कविता के वर्ण्य-विषय पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क)

अगर मैं तुमको,
ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार न्याही-कुंई,
टटकी कली चम्पे की
वगैरह, तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या कि सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है।
बल्कि केवल यही :
ये उपमान मैले हो गये हैं।

अथवा

झूठ है यह, फिर उठेगा आदमी
और सूरज को मिलेगी रोशनी
सितारों को जगमगाहट मिलेगी
कफ़न में लिपटे हुए सौन्दर्य को
फिर किरन की नरम आहट मिलेगी।

(ख) अमित आकांक्षा उभार
दाह का आलोक केवल
धैर्य कितना धैर्य
औं संतोष
कितना
आज के दिनमान की परछाइयों में
किरण का मासूम वैभव।

अथवा

महसूस होता है कि यह बेनाम
बेमालूम दर्रों के इलाके में
(सचाई के सुनहले तेज अक्सों के धुँधलके में)
मुहैया कर रहा लश्कर;
हमारी हार का बदला चुकाने आयेगा
संकल्प-धर्मा चेतना का रक्त प्लावित स्वर,
हमारे ही हृदय का गुप्त स्वर्णाक्षर
प्रकट होकर विकट हो जायेगा।

5. 'औद्योगिक बस्ती' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

धर्मवीर भारती के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

6. धूमिल की काव्यगत विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

पठित कविताओं के आधार पर लीलाधर जगूड़ी के कवि-व्यक्तित्व पर विचार कीजिए।

★★★